myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

SET – 3

Series : SSO/C

कोड नं.
Code No. **2/3**

रोल नं.
Roll No. ☐☐☐☐☐☐☐

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घंटे]* *[अधिकतम अंक : **100***

*Time allowed : **3** hours]* *[Maximum marks : **100***

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बड़ी कठिन समस्या है । झूठी बातों को सुनकर चुप हो रहना ही भले आदमी की चाल है । परन्तु इस स्वार्थ और लिप्सा के जगत में जिन लोगों ने करोड़ों के जीवन-मरण का भार कंधे पर लिया है वे उपेक्षा भी नहीं कर सकते । ज़रा सी गफलत हुई कि सारे संसार में आपके विरुद्ध ज़हरीला वातावरण तैयार हो जाएगा । आधुनिक युग का यह एक बड़ा भारी अभिशाप है कि गलत बातें बड़ी तेजी से फैल जाती हैं । समाचारों के शीघ्र आदान-प्रदान के साधन इस युग में बड़े प्रबल हैं और धैर्य और शांति से मनुष्य की भलाई के सोचने के साधन अब भी बहुत दुर्बल हैं । सो, जहाँ हमें चुप होना चाहिए, वहाँ चुप रह जाना खतरनाक हो गया है । हमारा सारा

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

साहित्य नीति और सच्चाई का साहित्य है । भारतवर्ष की आत्मा कभी दंगा-फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती परन्तु इतनी तेजी से कूटनीति और मिथ्या का चक्र चलाया जा रहा है कि हम चुप नहीं बैठ सकते । अगर लाखों-करोड़ों की हत्या से बचना है तो हमें टंटे में पड़ना ही होगा । हम किसी को मारना नहीं चाहते पर कोई हम पर अन्याय से टूट पड़े तो हमें ज़रूर कुछ करना पड़ेगा । हमारे अंदर जो हया है और अन्याय करके पछताने की जो आदत है उसे कोई हमारी दुर्बलता समझे और हमें सारी दुनिया के सामने बदनाम करे यह हमसे नहीं सहा जाएगा । सहा जाना भी नहीं चाहिए । सो, हालत यह है कि हम सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ रहते हैं और ओछे वाद-विवाद और दंगे-फसादों में नहीं पड़ते । राजनीति कोई अजपा-जाप तो है नहीं । यह स्वार्थों का संघर्ष है । करोड़ों मनुष्यों की इज्जत और जीवन-मरण का भार जिन्होंने उठाया है वे समाधि नहीं लगा सकते । उन्हें स्वार्थों के संघर्ष में पड़ना ही पड़ेगा । और फिर भी हमें स्वार्थी नहीं बनना है ।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

(ख) लेखक ने किसे कठिन समस्या माना है और क्यों ? **2**

(ग) आधुनिक युग का अभिशाप किसे माना गया है और क्यों ? **2**

(घ) चुप रहना कब खतरनाक होता है, कैसे ? **2**

(ङ) भारतवर्ष की कोई एक विशेषता गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **2**

(च) लेखक ने संघर्ष करना क्यों आवश्यक माना है ? **2**

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए :

‘राजनीति कोई अजपा-जाप तो है नहीं ।’ **2**

(ज) विग्रह कर समास का नाम लिखिए – जीवन-मरण **1**

(झ) मिश्र वाक्य में बदलिए – **1**

‘झूठी बातों को सुनकर चुप हो रहना ही भले आदमी की चाल है ।’

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है ।
सुख-दुख के दोनों तीरों से चल रहा राह मनमानी है ।
कब फूटा गिरि के अंतर से ? किस अंचल से उतरा नीचे ।
किस घाटी से बह कर आया समतल में अपने को खींचे ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

निर्झर में गति है जीवन है, वह आगे बढ़ता जाता है ।
धुन एक सिर्फ है चलने की, अपनी मस्ती में गाता है ।
बाधा के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता,
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता ।
लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है,
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है ।
निर्झर कहता है बढ़े चलो ! देखो मत पीछे मुड़ कर,
यौवन कहता है बढ़े चलो ! सोचो मत क्या होगा चल कर ।
चलना है केवल चलना है ! जीवन चलता ही रहता है,
रुक जाना है मर जाना है, निर्झर यह झर कर कहता है ।

(क) जीवन की तुलना निर्झर से क्यों की गई है ?

(ख) जीवन और निर्झर में क्या समानता है ?

(ग) जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

(घ) 'तब यौवन बढ़ता है आगे !' से क्या आशय है ?

(ङ) कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

खंड – 'ख'

3. नीचे लिखे विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : **5**

(क) भारतीय किसान

(ख) हमारे राष्ट्रीय पर्व

(ग) राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

(घ) प्रदूषण की समस्या

4. नेपाल के संकट में राहत कार्य में भाग लेने के लिए आप अपने चार मित्रों के साथ काठमांडू जाना चाहते हैं । अनुमति पत्र प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली स्थित नेपाली राजदूत को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

न्यूयॉर्क से छपने वाले भारत-समाचार के संपादक को पत्र लिखकर वहाँ बसे भारतीयों से अपील करते हुए भारतीय पर्व-त्योहार मनाने का अनुरोध कीजिए ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) संपादकीय विभाग के दो प्रमुख कार्यों को लिखिए ।

(ख) भारत में मूक फिल्म बनाने का श्रेय किसको जाता है ?

(ग) भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला ?

(घ) 'खोजपरक पत्रकारिता' से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) पत्रकारिता में 'मुखड़ा' किसे कहते हैं ?

6. 'धर्म की आड़ में व्याप्त भ्रष्टाचार' **अथवा** 'दहेज प्रथा का कुप्रभाव' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए । **5**

7. 'बढ़ती महँगाई' **अथवा** 'लचर कानून व्यवस्था' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए । **5**

खंड – 'ग'

8. प्रस्तुत काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

हो जाए न पथ में रात कहीं
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।
बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितना चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(क) पंथी क्या सोच रहा है और क्यों ?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) बच्चे नीड़ों से क्यों झाँकते होंगे ?

(ग) कवि को किस बात की चिंता है और क्यों ?

(घ) चिड़ियाँ चंचल क्यों हो रही हैं ?

अथवा

अट्टालिका नहीं है रे
आतंक भवन
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर
रोग-शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।

(क) कवि आतंक भवन किसे मानता है और क्यों ?

(ख) 'पंक' और 'जलज' का प्रतीकार्थ क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए –

'सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन ।'

(घ) शैशव का क्या अर्थ है ? इसका यहाँ किस संदर्भ में प्रयोग हुआ है ?

9. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **$2 \times 3 = 6$**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(क) 'उत्प्रेक्षा अलंकार' के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(ख) कविता के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

सबसे तेज बौछारें गईं भादो गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए

पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को ।

(क) शरद ऋतु के आगमन की उपमा किससे दी गई है और क्यों ?

(ख) 'शरद आया पुलों को पार करते हुए' – पंक्ति में कौन सा अलंकार है ? प्रयुक्त अलंकार का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त बिम्ब का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 + 3 = 6**

(क) कविता और बच्चे को 'कविता के बहाने' समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ख) 'परदे पर वक्त की कीमत है' – कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है ?

(ग) 'नभ में पाँती-बँधे बगुलों की पाँखें' – कवि की आँखों को चुराकर लिए जा रही है – कथन को स्पष्ट कीजिए ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

11. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 4 = 8$

उस बल को नाम जो दो; पर वह निश्चय उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता-फूलता है । वह कुछ अपर जाति का तत्त्व है । लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं; मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों में अंतर देखूँ और प्रतिपादन करूँ । मुझे शब्द से सरोकार नहीं । मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ । लेकिन इतना तो है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है । बल्कि यदि उस बल को सच्चा बल मानकर बात की जाए, तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रभावित होती है । निर्बल ही धन की ओर झुकता है । वह अबलता है । वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है ।

(क) 'अपर जाति का तत्त्व' किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख) लेखक ने अबलता किसे माना है ?

(ग) 'निर्बल ही धन की ओर झुकता है ।' – आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'बटोर रखने की स्पृहा' से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावत: ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था । रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया । बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया । इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए । 'हाय, लछिमन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई । पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था ।

(क) विमाता ने भक्तिन को उसके पिता की मृत्यु का समाचार देर से क्यों भेजा ?

(ख) भक्तिन के प्रति सास का अप्रत्याशित अनुग्रह क्या था ?

(ग) 'उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए' – आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था ।' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 4 = 12**

(क) भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं – पठित पाठ के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है' – 'बाज़ार दर्शन' के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ लोक-विश्वास और विज्ञान के द्वन्द्व का चित्रण है – कैसे ?

(घ) लुट्टन सिंह पहलवान की कीर्ति दूर-दूर तक कैसे फैल गई ?

(ङ) 'लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा या मेरा वतन ढाका है' – जैसे उद्गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं ?

13. 'जूझ' कहानी में निहित जीवन मूल्यों की सोदाहरण चर्चा कीजिए । **5**

14. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 5 = 10**

(क) 'जूझ' का कथानायक किशोर छात्रों के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत है – कहानी के आधार पर सोदाहरण टिप्पणी कीजिए ।

(ख) औरतों को बहादुर सिपाहियों से ज्यादा संघर्ष करने वाली क्यों बताया गया है ? 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) यशोधर बाबू में नये और पुराने का द्वन्द्व है – उदाहरण देकर प्रतिपादित कीजिए ।